an>

title: Need to set up more number PSU bank of branches in rural areas.

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत (जोधपुर) : माननीय अध्यक्ष महोदया, माननीय प्रधानमंत्री जी ने लाल किले की प्राचीर से देश की ही नहीं, बल्कि विश्व की सबसे सफल फाइनैंशियल इन्क्लूज़न योजना प्रारंभ की। अब तक जन-धन योजना के अंतर्गत देश भर में 21.75 करोड़ खाते बैंकों में खुल चुके हैं। उन खातों में देश की गरीब जनता ने 37-38 करोड़ रुपये जमा कराये हैं। जन-धन योजना की सफलता के आधार पर माननीय प्रधानमंत्री जी की बीमा योजनाएँ और पेंशन योजनाएँ सफलता के आयाम प्राप्त कर सकी हैं। 1.26 लाख बैंक कर्मियों की भर्ती के बाद भी ग्रामीण अंचलों में इस योजना की सफलता के कारण बैंकों में दबाव बढ़ गया है। भारत सरकार को 21 हजार करोड़ रुपये का फायदा बैंकिंग कवरेज़ होने के कारण एलपीजी सब्सिडी डायरेक्ट लाभान्वितों के खाते में जमा कराने से हुआ है।

मैं आपके माध्यम से वित्त मंत्रालय का ध्यान आकर्Âिषत करना चाहता हूँ कि ग्रामीण क्षेत्रों के बैंकों का दबाव इस कदर बढ़ गया है कि बैंकों का प्रतिदिन का कामकाज भी बाधित होने लगा है। रोज़मर्रा के कामकाज के लिए बैंक्स और बैंक्स के स्टाफ ना-नुकुर करने लगे हैं। यहाँ तक की नये इंश्योरेंस पॉलिसीज़ और भारत सरकार की नयी योजनाओं को भी काम के इस दबाव के कारण प्रोत्साहन नहीं मिल रहा है।

इसलिए इन समस्याओं को दÂिष्टगत रखते हुए, ग्रामीण क्षेत्रों में और अधिक बैंकों की शाखाएँ प्रारंभ की जानी चाहिए।

माननीय अध्यक्ष: सर्व

श्री शरद त्रिपाठी,

कुँवर पष्पÂेन्द्र सिंह चन्देल,

डॉ. किरीट पी. सोलंकी,

सी.आर. चौधरी,

भैरों प्रसाद मिश्र,

पी.पी. चौधरी,

हरिओम सिंह राठौर और

राम चरण बोहरा को श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत द्वारा उठाये गये विÂषय से संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।